ट्रक से 25 लाख की पंजाब निर्मित शराब जब्त, दो गिरफ्तार

पंजाब निर्मित अवैध शराब के 322 कार्टून जप्त किये

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक में स्क्रेप की आड में पंजाब निर्मित अवैध शराब के 322 कार्टून सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रकरण अनुसार महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर रैंज बीकानेर द्वारा अवैध शराब तस्करी की रोकथाम हेतु दिये गये विशेष दिशा निर्देशों की तहत राजेश कुमार मीना आईपीएस पुलिस अधीक्षक चूरू के निर्देशन में अशोक कुमार बुटोलिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ़, इस्लाम खाँ वृताधिकारी वृत राजगढ़ व सुभाष चन्द्र पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी राजगढ़ के निकटतम सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम चूरू की सूचना पर 15 जून को थाने के प्रदीप कुमार सहायक उपनिरीक्षक ने मय पुलिस टीम के नाकाबंदी के दौरान हिसार की ओर से आ रहे ट्रक की तलाशी ली।

अवैध शराब तस्करी के मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जिस पर ट्रक में प्लास्टिक स्क्रेप की आड में ट्रक में डाला में स्क्रेप के निचे अलग पार्टेशन बनाकर शराब तस्करी करते हुए चालक तेजाराम पुत्र घमण्डाराम तथा परिचालक हरखाराम पुत्र भैराराम जाट निवासीगण निवासी धने का तला थाना सदर बाडमेर को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरण अनुसंधान कर रहे सुभाष चन्द्र पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी राजगढ़ ने बताया कि जब्तसुदा अवैध शराब की अनुमानित लागत 25 लाख रूपये के लगभग है तथा प्रारंभिक पुछताछ में अवैध शराब पंजाब से गुजरात तस्करी हेतु ले जाया जाना सामने आया है।

- प्लास्टिक स्क्रेप की आड में शराब तस्करी कर पंजाब से गुजरात ले जा रहे थे

गोचर भूमि पर अतिक्रमण को लेकर विवाद गहराया

जे.डी.ए. प्रशासन पर महिलाओं ने फेंकी चूड़ियां, लोग पानी की टंकी पर चढ़े

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती केरू-बंबोर गांव की गोचर भूमि अतिक्रमण को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। बुधवार से जेडीए पर चल रहा धरना प्रदर्शन गुरुवार को भी जारी रहा। महिलाओं ने आज जेडीए परिसर पर अपनी चूड़ियां फेंकी दी। वहीं दोपहर में कई लोग पानी की टंकी पर चढ़ गए। बुधवार को दिन से डेरा डाले जमे लोग रात को भी जमे रहे। आज सुबह फिर से जेडीए के बाहर विरोध प्रदर्शन के स्वर गूंजने लगे।

- बंबोर में जमीन को लेकर गांव के लोग और विश्नोई समाज आमने-सामने हैं

जानकारी के अनुसार बंबोर इलाके में एक जमीन को लेकर गांव के लोग और विश्नोई समाज आमने-सामने हैं। विश्नोई समाज का कहना है कि जमीन अमृता देवी उद्यान की है, जबकि गांव वाले इसे गांव की गोचर जमीन बता रहे हैं। कोर्ट ने गांव वालों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए जमीन से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए तो विश्नोई समाज नाराज हो गया। जेडीए के अमले को कार्रवाई नहीं करने दी। इधर गांव वाले भी दो दिन से जोधपुर स्थित जेडीए कार्यालय का घेराव कर महापड़ाव डालकर बैठे हैं। आज उस वक्त माहौल गर्म हो गया जब गांव की महिलाओं ने जेडीए प्रशासन की ओर चूड़ियां फेंक दी। जोधपुर शहर के नजदीक बंबोर गांव में पूनियों की प्याऊ गांव की गोचर जमीन से अतिक्रमण हटाने की मांग की जा रही है। इसी मांग को लेकर आज जेडीए कार्यालय के बाहर पड़ाव में शामिल आक्रोशित महिलाओं ने उठा नारेबाजी की। बंबोर व आस-पास के इलाके के ग्रामीणों ने पूनियों की प्याऊ के पास गोचर जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाने के लिए कल बुधवार को जेडीए कार्यालय का घेराव शुरू किया था। इसके बाद महापड़ाव डालकर बैठ गए। 2 दिन पहले जेडीए की टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। तब विश्नोई समाज के लोगों ने रोज जताया था। टीम बिना कार्रवाई किए लौट आई थी।

जेडीए कार्यालय के बाहर ही ग्रामीण रात भर जमे रहे। अपने साथ गैस का चूल्हा, सिलेंडर और अन्य खाना बनाने का सामान साथ लाए थे। सड़क किनारे ही खाना बनाया और उसके बाद रात को वही टेंट लगा कर सो गए। इस धरना प्रदर्शन को लेकर रातानाडा थाने में मामला भी दर्ज हुआ है। जिसमें केरु प्रधान अनुश्री पूनिया, संपत पुनिया, चंपालाल चौधरी, श्रवण चौधरी, महेंद्र जाखड़ और भंवरलाल सहित अन्य लोगों पर बिना अनुमति सार्वजनिक स्थान पर धरना प्रदर्शन करने और आमजन को परेशान करने का मामला दर्ज किया गया है।

दोपहर में टंकी पर चढ़े लोग :- विरोध प्रदर्शन के बीच में दोपहर बाद में महिलाएं और पुरूष जेडीए के पास पानी की टंकी पर चढ़ गए। मौकास्थल पर भारी पुलिस तैनात किया गया है।

'आगे बढ़ना है तो एक बात याद रखो, हाईकमान का फैसला, दिल पर पत्थर रखकर अपनाना है'

मुख्यमंत्री गहलोत ने यूथ कांग्रेस की बैठक में कहा, "कुछ एम.एल.ए. खुद कह रहे हैं, नहीं जीत रहा हूं, उनको पूछेंगे कि किसे मौका देना चाहते हो"

जयपुर, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस बार विधानसभा चुनाव से दो महीने पहले कांग्रेस के टिकट तय करवाने की पैरवी करते हुए यह भी माना है कि कई मौजूदा विधायक चुनाव हार रहे हैं। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राजस्थान में जातिगत जनगणना की बात छेड़कर नई चर्चा शुरू कर दी है। यूथ कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में गहलोत ने कहा कि हमारे कुछ एमएलए खुद ही कहते हैं कि मैं नहीं जीत पा रहा हूं। हम उनको पूछेंगे कि आप किसे मौका देना चाहते हो। चुनाव में जीतना है, तो केवल जीतने वाले उम्मीदवार को टिकट देना चाहिए तब हम जीतेंगे।

गहलोत ने कहा कि दिल्ली में लंबी बैठकों का सिस्टम बंद होना चाहिए। दो महीने पहले टिकट फाइनल कर दें, या जिसे टिकट मिलना है, उसे इशारा कर दें। वो लोग काम में लग जाएं। वैसे भी साधनों की कमी भी रहेगी, क्योंकि जिस तरह पॉलिटिकल पार्टियों को टाइट कर रखा है।

यूथ नेताओं को लेकर गहलोत ने कहा कि यूथ कांग्रेस के नेताओं को चाहिए कि अभी से प्रयास शुरू कर दें। मैं इसके खिलाफ हूं कि चुनाव में जब टिकट तय करने बोर्ड बैठता है, तो अध्यक्ष भी पर्ची भेजते हैं। कोशिश करते हैं कि यूथ कांग्रेस को 10-12 टिकट मिलें, उसमें दो-चार को मिलता है या नहीं मिलता है, वह नहीं होना चाहिए। हमने प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को भी कहा है, दो महीने पहले टिकट तय हो जाएं। जिन्हें टिकट मिलना है वह दो महीने पहले ही तय हो जाएं। सर्वे को लेकर गहलोत बोले कि जो कुछ भी आपको फीडबैक मिले, जो एजेंसियां बनी हैं, सुनील करके कोई हैं जो एआईसीसी की तरफ से सर्वे कर रहे हैं, उनसे आप बात कर लीजिए। हम भी बात करेंगे।

गहलोत ने कहा कि सर्वे दो तीन तरह के होते हैं। जो जितना कार्यकर्ताओं के संपर्क में रहता है, सर्वे में उसी कार्यकर्ता नाम लेते हैं। उसी के बारे में कार्यकर्ता बात करते हैं कि वह जीत सकता है। वो नाम अगर पहले आ जाएं। जैसे 25 नाम दे दिए, पहले ही उनको सर्वे में डलवा दीजिए। हमें जब दो महीने पहले ही नाम पता लग जाएं, चुनाव में जब टिकटों के लिए दिल्ली की सड़कों पर घूमना पड़ता है तो नेता भी थक जाते हैं और कार्यकर्ता भी थक जाते हैं। फिर टिकट मिलते हैं तो वहां पर थका हुआ क्या काम करेगा। इसलिए नए सिरे से तय हो। मैं ये बातें गंभीरता से कह रहा हूं। भंवर जितेंद्र सिंह ने असम चुनावों में पहले टिकट तय करवाए। पहले संसदीय बोर्ड गुवाहाटी में ही बैठ गया, वहां तय करवा दिया। गहलोत ने कहा कि इस बार तैयारी भी करो, आगे बढ़ना है तो एक बात याद रखो। जिंदगी में एक बार पार्टी हाईकमान का फैसला आ जाए, दुख तो होता है जब टिकट नहीं मिला और इच्छा पूरी नहीं हुई। उस वक्त दिल पर पत्थर रखकर राजनीति होनी चाहिए। दिल कितना कोमल होता है, उस पर पत्थर रखो। जो दिल पर पत्थर रखकर राजनीति कर लेगा वह कामयाब होगा। चुनाव में जीतने के लिए दिल जीतने पड़ते हैं।

- दो महीने पहले तय हों टिकट, दिल्ली के बजाय यही सब तय हो जाए : गहलोत
- डोटासरा ने उठाया जातिगत जनगणना का मुद्दा, बीजेपी पर साधा निशाना

उन्होंने चंदे की चर्चा करते हुए कहा कि चुनाव के लिए केवल चंदा ही काफी नहीं लोगों के दिल जीतने होते हैं। राजस्थान में जिस तरह का माहौल बना है। मैं और अध्यक्ष 28 जिलों में जा चुके हैं। इस बार उन लोगों का रुझान भी कांग्रेस की तरफ है, जिन्होंने पहले कांग्रेस को वोट नहीं दिया। गहलोत ने कहा कि यूथ कांग्रेस नेताओं को टिकटों पर अपना अधिकार जताना चाहिए। आपका अलग तरह का महत्व है, जब सीट खाली है, तो अपना महत्व बताना चाहिए। सीनियर चाहे जगह खाली नहीं करें तो भी दावेदारी से पीछे नहीं रहना चाहिए। गहलोत ने कहा है कि एक वक्त ऐसा आया जब कांग्रेस और यूथ कांग्रेस के बीच दूरी बन गई। दूरी बन गई या बना दी गई, लेकिन वह प्रयोग बहुत गलत साबित हुआ। हम जब यूथ कांग्रेस में थे तो केंद्रीय मंत्री हमारी मीटिंग में आते थे। शाम को वह डिनर देते थे। कभी-कभी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी आती थी। यह एक तरह का मोटिवेशन होता था। आप तो राहुल गांधी से बात करें, आप दिमाग में रखें बड़े नेताओं को बैठक में बुलाएं। एक वक्त ऐसा आया था कि दूरियां बढ़ गईं। आज मैं देखता हूं कि वापस संबंध बने हैं।

इसी बैठक के दौरान प्रदेश में एक बार फिर से जातिगत जनगणना का मुद्दा छेड़ते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने चुनाव से ऐन वक्त पहले जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाया है। इतना ही नहीं, उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी रिजर्वेशन खत्म करने का फंडा लाएगी। इस बैठक में डोटासरा ने कहा कि हमारे सीएम बार-बार कह रहे हैं जातिगत जनगणना हो, इसके लिए पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। हम जातिगत जनगणना करवा रहे हैं। जिसका जितना हिस्सा, उसे उतना आरक्षण होने वाला है। आरएसएस बीजेपी वाले बौखला गए हैं, उनकी संख्या बहुत कम है, इसलिए इसका विरोध कर रहे हैं। हमने जातिगत जनगणना के बारे में कह दिया और हमने समर्थन कर दिया तो इन्हें तकलीफ हो रही है।

उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी नेता कांग्रेस सरकार रिपीट की जगह डिलीट की बात कह रहे हैं। यह तो कोई कह सकता है, लेकिन 2024 में केंद्र सरकार का जनता तख्तापलट करेगी। अब तो आरएसएस भी यह कहने लगा है, मोहन भागवत भी कहने लगे हैं कि मोदी और मोदी की बातों में दम नहीं है। कोई नया फंडा लाना पड़ेगा। नया फंडा यह है कि ये आरक्षण समाप्त करने की ओर चल रहे हैं, जो मेरी पार्टी और हम सब मिलकर इसे कभी कामयाब नहीं होने देंगे।

अज्ञात युवकों ने लोक परिवहन बस के शीशे तोड़े

पावटा, (निसं)। थानागाजी से जयपुर जा रही लोक परिवहन की बस पर विराटनगर बस स्टैंड पर कुछ अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। थार गाड़ी में सवार होकर युवकों ने हॉकी, डंडों से हमला करके बस के शीशे तोड डाले। शुक्र है कि इस हमले में किसी को किसी प्रकार की कोई चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही विराटनगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन हमलावरों का पता नहीं चल पाया है।

लोक परिवहन के चालक विजय सिंह व सहचालक दीपक ने बताया कि वह बस को लेकर थानागाजी से जयपुर जा रहे थे। चालक के अनुसार, जैसे ही वह विराटनगर बस स्टैंड पहुंचे वहां कुछ युवकों ने बस पर हमला कर दिया। बस का सामने का शीशा और कुछ खिड़कियों के शीशे तोड़ डाले। हमले से सवारियों में अफरा-तफरी मच गई। चालक के अनुसार हमलावरों की संख्या आठ से दस के बीच थी। बस के शीशे तोड़ने के बाद युवक मौके से फरार हो गए। चालक ने तुरंत इसकी सूचना विराटनगर थाना पुलिस को दी। विराटनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गयी।

चोर बन बैठा दुकान मालिक, मालिक को धमकाया

शाहपुरा, (नि.सं.)। शाहपुरा जिला बनने के बाद सम्पूर्ण भीलवाड़ा जिले में शाहपुरा का ओहदा बढ़ गया हो लेकिन पुलिस व प्रशानिक व्यवस्थाओं में कुछ भी इजाफा नहीं हो पा रहा है। पुलिस की ढीली गश्त व्यवस्था के कारण क्षेत्र में चोरों के हौंसले बुलंद है।

चोरों के हौंसले इतने बुलंद है कि गुरुवार को दिन दहाड़े बालाजी छतरी माताजी मार्केट में ऐसा ही वाक्या देखने को मिला जिसमें चोर स्वयं दुकान मालिक को धमकाता दिखा। दिन में 1 बजे करीब एक व्यक्ति असलम नाम के व्यक्ति की मोबाइल की दुकान (न्यू डिमांड मोबाइल) के बंद शटर को खोल कर अंदर जा धमका। काउंटर की अंदर की तरफ बैठकर और रेक में रखी चाबियों से गल्ला खोल उसमें से 750 रुपये निकाल लिए। इत्तफाक से दुकानमालिक आ धमका तो चोर को बिना अनुमति शटर खोल अंदर घुसने के बारे में पूछा तो स्वयं वह युवक उल्टा दुकान मालिक असलम को धमकाने लगा और कहने लगा मेरी दुकान चल बाहर निकल। यह सुन दुकान मालिक झेंप गया। पुलिस को फोन किया गया। सतर्कता दिखाते आसपास के दुकानदारों ने भागते उस युवक को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया।

हाल ही में एक हुई चोरी की घटना के बाद 14 जून रात को नगर के मुख्य बाजार में कांग्रेस नेता राजकुमार अग्रवाल की दुकान का चोरों ने ताला तोड़ दिया। शटर में लगे बीच का लॉक सरीये से नही टूटा तो चोर थोड़ी देर में लकड़ी की बल्ली ले आये और शटर तोड़ दिया। यह पुलिस की लचीली गश्त व्यवस्था की पोल खोलता है की इतनी रात में चोर शटर नही तोड़ सके तो बल्ली ले आये। बाजार में गश्त पर पुलिस का एक भी जवान गश्त पर नही होना की सवाल खड़े करता है। गत सप्ताह हुई चोरी का पुलिस राज पाश नही कर पाई और नगर में यह दूसरी चोरी की घटना हो गई।

कजलोदिया गांव में आगज़नी के बाद शांति

गांव के एक युवक की एक महीने पहले पेड़ से लटकी मिली थी लाश

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के बनेडा थाना क्षेत्र के कजलोदिया गांव के एक युवक की एक महीने पहले पेड़ से लटकी मिली लाश को पुलिस ने जहां सुसाइड माना, वहीं मृतक के परिवार के लोग इसे हत्या मानकर गांव के ही एक परिवार के दो जनों पर हत्या का शक जाहिर कर रंजिश पाल बैठे। इस रंजिश। के चलते बीती रात उत्पात का रूप ले लिया। मृतक युवक के परिजनों व परिचितों सहित चार दर्जन से ज्यादा लोगों ने हत्या के शक में तीन भाइयों के परिवार के चार मकानों पर धावा बोल दिया और जमकर तोड़फोड़ व लूटपाट करते हुये आगजनी की।

- मृतक के परिवार के लोगों ने गांव के ही एक परिवार के दो जनों पर शक जाहिर किया था
- हत्या के शक में तीन भाइयों के परिवार के चार मकानों पर धावा बोल दिया

थाना प्रभारी राजेंद्र ताडा के अनुसार, करीब एक माह पहले कजलोदिया गांव के कैलाश गुर्जर की जंगल में फंदे से झूलती लाश मिली थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुये एफएसएल टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाये। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया। जांच टीमों के साथ ही पुलिस ने युवक की मौत को सुसाइड माना। वहीं, मृतक कैलाश के परिजन इसे हत्या मानते हुये कल्याण पुत्र भैरू गुर्जर के परिवार के बद्री गुर्जर व किशन गुर्जर पर हत्या का शक जाहिर करते हुये इनसे रंजिश रखने लगे। मृतक कैलाश के ही परिवार में एक अन्य बुजुर्ग की मौत को लेकर शोक बैठक रखी हुई थी।

आरोप है कि इसी बैठक पर लोगों ने कल्याण गुर्जर व उनके भाइयों के घरों में तोड़फोड़ और आगजनी का षड़यंत्र रचा। शाम 7 से 8 बजे के बीच शंकर पुत्र छोगा गुर्जर व 54 अन्य लोगों ने कल्याण गुर्जर के घर पर धावा बोल दिया और वहां घर में घुसकर तोड़फोड़ व आग लगा दी। वहां खड़ी बुलेट को तोड़फोड़ करने के बाद जलते हुये खाखले में डाल दिया। इन लोगों ने बद्री के घर में भी तोडफ़ोड़ कर आग लगा दी। उसकी 80 साल की बुजुर्ग मां बाली के साथ मारपीट कर मांदलिया व रामनामी लूट ली। इसी तरह जमना लाल गुर्जर के नवनिर्मित मकान को भी तोड़फोड़ के बाद आग के हवाले कर दिया। किशन लाल के घर में रखे बक्से के साथ ही अनाज, खाखले के साथ ही मकान में आग लगा दी। इन लोगों को जो भी मिला, उसके साथ मारपीट की। करीब एक दर्जन लोग इनकी मारपीट के शिकार हुये हैं। इनमें कल्याण, उसकी पत्नी सहित अन्य पीड़ित शामिल हैं।

आरोप है कि एक महिला व नाबालिग से भी मारपीट व अभद्रता उत्पातियों द्वारा की गई। आगजनी वाले घरों से कीमती सामान, गहने और मोबाइल भी ये उत्पाती लूट ले गये। पुलिस का कहना है कि पीड़ित पक्ष में कल्याण, बद्री व सेवाराम तीन भाई हैं। वहीं किशन, कल्याण का भतीजा है। उधर, इस घटना को देखते हुये आठ पुलिस थानो के साथ ही रिजर्व पुलिस लाइन से अतिरिक्त पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और भीड़ को खदेड़ कर आग पर काबू पाया। आग से ये मकान खंडहर में तब्दील हो गये। पुलिस ने पीड़ित कल्याण गुर्जर की रिपोर्ट पर शंकर पुत्र छोगा गुर्जर और 54 अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। साथ ही 19 लोगों व एक महिला को पुलिस ने डिटेन कर लिया है। मामले की जांच डीएसपी मांडल कन्हैयालाल जाट कर रहे हैं।

डीडवाना को जिला मुख्यालय बनाने की मांग को लेकर आंदोलन जारी

डीडवाना, (नि.सं.)। जिला मुख्यालय की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के तहत अब संघर्ष समिति ग्रामीण क्षेत्रों से समर्थन जुटाने के लिए उपखण्ड के छोटे कस्बों को बंद रख कर आंदोलन करेगी और 24 जून को इसी के तहत दौलतपुरा तिराहे पर दो घंटे का सांकेतिक चक्का जाम करेगी। यह फैसला स्थानीय बलदेव राम मिर्धा किसान विश्राम गृह में आयोजित संघर्ष समिति की बैठक में लिया गया।

फैसले के अनुसार सबसे पहले 17 जून शाहपुरा सीकर रोड़ के कस्बे सुपका ललासरी और दयालपुरा के बाजार बंद रहेंगे। उसके बाद 19 जून को कोलिया केराप और बांठड़ी। 21 जून को चोलूँका, दिनदारपुरा और सुदरासन कस्बे बंद रखे जायेंगे।

जबकि 24 जून को दौलतपुरा कस्बा बंद रखा जाकर दौलतपुरा तिराहे पर अजमेर सीकर और डीडवाना रोड पर दो घंटे का सांकेतिक चक्का जाम किया जायेगा। संघर्ष समिति ने एक बार फिर से चेतावनी दी है कि अगर 24 जून तक भी सरकार ने कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया तो फिर यह चक्का जाम और आंदोलन अनिश्चितकाल के लिए लागू कर दिया जायेगा।

तस्करों के गुर्गे कर रहे हैं शहीद परिवार को परेशान

पीड़ित परिवार।

भीलवाड़ा, (निसं)। 10 अप्रेल 2021 की रात तस्करों के गोली में जान गंवाने वाले कोटडी थाने के सिपाही के हत्यारों को अब तक सजा नहीं हुई। पर तस्करों के गुर्गे अब शहीद परिवार के लोगों को धमकाने लग गए हैं। तस्करों की हिमाकत इतनी है कि पीड़ित परिवार के लोगों को जान से मारने की धमकी तक दे रहे है। इससे शहीद रायाक का परिवार ख़ौफ़ के साए में जी रहा है। वही काछोला पुलिस को मामले की रिपोर्ट दी है।

शहीद के भाई रामलाल ने काछोला थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि उसके भाई के हत्या वाले आरोपियों द्वारा उसके परिवार के सदस्यों को जान से मारने व भाई की हत्या के सम्बन्ध में दर्ज मुकदमा पुलिस थाना कोटडी में बयान अपने पक्ष में करवाने का दबाव बनाने के लिए जान से मारने की धमकी दे रहे है। चोहली निवासी फरियादी रामलाल (28) पुत्र नारायणलाल रायका ने अपनी भाभी सीमा (27) ने सोमवार को काछोला थाना प्रभारी को दी रिपोर्ट में बताया कि करीब 2 साल पूर्व प्रार्थी का भाई ओंकार राजस्थान पुलिस में सिपाही के पद पर नियुक्त होकर 10 अप्रेल 2021 को पुलिस थाना कोटडी पर डयूटी में तैनात था। प्रार्थी का भाई ओंकार व अन्य पुलिसकर्मी को 10 अप्रेल 2021 की रात्रि में सूचना में अवैध अफीम डोडा चूरा को एमपी से जोधपुर की तरफ ले जाने वाले तस्करों को पकड़ने के लिए मंशा विराह पर गये थे। तस्करों के द्वारा पुलिस पर जानलेवा हमला कर अवैध बंदूकों से फायरिंग करते हुए प्रार्थी के भाई की गोली मारकर हत्या कर दी।

प्रार्थी के भाई की हत्या के सम्बन्ध में पुलिस थाना कोटडी पर मुकदमा दर्ज किया गया। प्रार्थी के भाई ओंकार के एक छोटी बच्ची है। ओंकार की आरोपियो द्वारा गोली मारकर हत्या करने के सदमे से ओंकार के पिता की 15 दिन बाद मौत हो गयी। तब से लेकर आज तक पुलिस ने कुल 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और कई फायरिंग करने के हथियार बरामद किये है। पुलिस ने आरोपियो से घटना में काम में ली गयी चोरी की गाडियां अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद किया है। मुकदमे में जो आरोपी पकड़े गये उनमें सुनील टूटी व राजू फोजी स्वयं एवं इनकी गैंग के सदस्य रामदेव जाट नेताराम विश्रोई, प्रकाश विश्रोई, पाबूराम, रमेश भाणियां, यशवन्तसिंह उर्फ बन्टी है। सुनील डूडी व राज फौजी एवं इनकी गैंग के सदस्यों के खिलाफ पहले से ही कई मुकदमे है, जिसमें अब तक पुलिस अनुसंधान कर रही है।

फरियादी रामलाल रायका ने कहा कि उन्हें ऐसा लग रहा है कि पिछले कुछ दिनों से कुछ संदिग्ध लोग उसका व उसके परिवार के सदस्यों का पीछा कर रहे है जो मौका मिलने पर उसे व उसके परिवार के सदस्यों को क्षति पहुंचा सकते हैं। इस पर काछोला थाना पुलिस ने फरियादी रायका की रिपोर्ट पर धारा 506 में दर्ज कर मामले की जांच प्रारम्भ कर दी।

शहीद के परिवार को धमकी के बाद तस्कर गोरसिया की जमानत ख़ारिज

भीलवाड़ा, (निसं)। बहुचर्चित कांस्टेबल औंकार रायका की गोली मारकर हत्या के आरोपित पाबूराम गोरसिया को दस दिन पहले मिली जमानत को निरस्त कर दिया गया। गोरसिया पर मुकदमे से जुड़े गवाहों को धमकाने के आरोप लगने के बाद राजस्थान राज्य की ओर से अपर लोक अभियोजक (एक) ने जमानत खारिज करने का प्रार्थना-पत्र अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एक) के समक्ष पेश किया। अपर लोक अभियोजक की ओर की गई मजबूत पैरवी को लेकर कोर्ट ने जमानत खारिज करने के आदेश पारित किये।

न्यायालय सूत्रों के अनुसार, कोटड़ी थाने का कांस्टेबल ओंकार रायका 10 अप्रैल 2021 को ड्यूटी पर था। रात में सूचना मिली कि वाहनों में सवार तस्कर मध्यप्रदेश से डोडा-चूरा भरकर अवैध अफीम डोडा चूरा जोधपुर ले जायेंगे। सूचना पर मंशा तिराहे पर गये पुलिसकर्मियों पर तस्करों ने जानलेवा हमला कर बंदूकों से फायरिंग की। इस दौरान कांस्टेबल औंकार रायका को भी गोली लगी, जिससे उनकी मौत हो गई थी।

इस मामले में आरोपित नागौर जिले के वाडा भाडवी निवासी पाबूराम पुत्र हनुमानाराम जाट (गेरसिया) को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया गया था। इस मामले में मुख्य आरोपित सुनील डूडी की जमानत हाईकोर्ट से मंजूर हुई थी। इसी को आधार मानते हुये 3 जून को न्यायालय से आरोपित पाबूराम की जमानत हो गई। उसके पश्चात् से आरोपित पाबूराम व प्रकरण के अन्य आरोपितों द्वारा इस मामले के गवाहों को प्रत्यक्षत व अप्रत्यक्षत: उनके पक्ष में झूठे बयान देने व मामलें में गवाही नहीं देने के लिए जान से मारने की धमकी दे रहे और धमकियां दिलवा रहे है। ओंकार की हत्या के मुकदमें को फेल करने में लगे हुए है। ये लोग व्हाटसप पर फोन करते है जिससे फोन की डिटेल नही आती है, ये लोग कभी तो सुनील डूडी, कभी राजू फौजी और कभी पाबूराम के नाम से धमकियां देते है और कहते है कि अब तो पाबूराम की जमानत भी हो गई है और हम सब कुछ सेटल कर देंगे। तुम लोग पाबूराम और दूसरे आरोपियों के खिलाफ गवाही मत देना और हमारे पक्ष में झूठे बयान दे दो वरना जान से हाथ धो बैठोगे। इन धमकियों को लेकर राज्य सरकार की ओर से अपर लोक अभियोजक ने आरोपित पाबूराम गोरसिया की जमानत खारिज करने को लेकर न्यायालय में प्रार्थना-पत्र पेश किया।

न्यायालय ने इस प्रार्थना-पत्र पर बहस सुनी और अपरलोक अभियोक की मजबूत पैरवी के चलते न्यायालय ने उक्त प्रार्थना-पत्र को स्वीकार करते हुये औंकार रायका की हत्या के आरोपित पाबूराम को 3 जून को दिये जमानत के लाभ को निरस्त कर दिया।